

राजस्थान के मुख्यमंत्री ने कई सांस्कृतिक वरिषत परयोजनाओं की घोषणा की चर्चा में क्यों?

हाल ही में राजस्थान के मुख्यमंत्री ने राज्य की ऐतहासिक और सांस्कृतिक वरिषत को संरक्षित करने के लयि 12 स्थानों पर वभिन्न पैनोरमा और संग्रहालयों के नरिमाण की घोषणा की ।

मुख्य बदि:

- युवाओं को राजस्थान की ऐतहासिक जड़ों और मूल्यों के बारे में शक्ति करने हेतु, सरकार देवताओं, महान योद्धाओं तथा संतों के जीवन को परदर्शित करने के लयि परतबिद्ध है ।
- इस परयोजना के तहत करौली ज़िले के महावीर मंदिर में श्री महावीर पैनोरमा, भरतपुर ज़िले में ब्रज चौरासी कोस परकिरमा मार्ग, अजमेर में जैन मुनी वदियासागर महाराज पैनोरमा, डीडवाना-कुचामन के कालवा में भक्त शरिमाणि कर्मा बाई पैनोरमा, बीकानेर के कतरयिासर में जसनाथ जी पैनोरमा , बालोतरा के बायतु में खेमा बाबा पैनोरमा, चत्तितौड़गढ़ में भामाशाह पैनोरमा, जोधपुर में राव चंद्रसेन पैनोरमा, भरतपुर में गोकुला जाट पैनोरमा और जैसलमेर में जैसलमेर पैनोरमा का नरिमाण राजस्थान हेरटिज अथॉरटि द्वारा कयिा जाएगा ।
- वर्ष 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में गाँवों के योगदान को याद करने के लयि जयपुर में एक स्मारक के साथ-साथ राजस्थान की वीर नारयिों के सम्मान में एक संग्रहालय भी बनाया जाएगा ।

श्री महावीर जी मंदिर

- श्री महावीर जी में पाँच मंदिर हैं । अतशिय कषेत्र श्रीमहावीरजी जैनयिों के चमत्कारी तीर्थों में से एक माना जाता है ।
- यह तीर्थ राजस्थान के करौली ज़िले के हडिौन बलॉक में गंभीर नदी के तट पर स्थति है ।
- इसका नरिमाण 17वीं शताब्दी में महावीर की मूर्तकी खोज के बाद एक जैन व्यापारी, श्री अमर चंद बलाला द्वारा कयिा गया था ।

खेमा बाबा मंदिर

- खेमा बाबा मंदिर एक हद्वि मंदिर है जो लोक देवता भगवान "सदिध श्री खेमा बाबा" को समरपति है, जो राजस्थान के बाडमेर ज़िले के बायतु में एक रेत के टीले के पास स्थति है ।
- वह बायतु भोपजी गाँव में पैदा हुए एक समाज सुधारक थे ।

चत्तितौड़गढ़ के भामाशाह

- भामा शाह एक प्रसदिध सेनापति, मंत्री और महाराणा प्रताप सहि के करीबी सहयोगी थे । उनके द्वारा प्रदान की गई वत्तित्तीय सहायता ने महाराणा प्रताप को अपनी सेना को बहाल करने और अपने खोए हुए कषेत्र को पुनः प्राप्त करने की अनुमतदि ।
- भामाशाह जयंती प्रत्येक वर्ष 29 जून को मनाई जाती है ।
- उदयपुर में उन्हें समरपति एक स्मारक है । भारत सरकार ने वर्ष 2000 में उनके सम्मान में एक डाक टकिट जारी कयिा ।